Dainik Jagran
May 06, 2010

एक चौथाई बढ़ सकते हैं टायर के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी : टायरों के दाम एक बार फिर उपभोक्ताओं की मुश्किल बढ़ाने वाले हैं। कंपनियां साइकिल से लेकर कारों तक सभी तरह के टायरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी करने पर आमादा हैं। टायर कंपनियों की मानें तो यह बढ़ोतरी 25 फीसदी तक हो सकती है। कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होने वाले रबड़ की कीमतों में भारी बढ़ोतरी से टायर उत्पादक मुश्किल में हैं। ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटमा) की प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मुलाकात के बाद भी रबड़ के बढ़ते दामों का कोई समाधान नहीं निकला। एटमा के चेयरमैन नीरज कंवर ने बताया कि घरेलू बाजार की भरपाई के लिए इंडस्ट्री को टायरों के विक्रय मूल्य में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की जरूरत है। नीरज अपोलो टायर्स के भी वाइस चेयरमैन व एमडी हैं। टायर उद्योग की मांग है कि सरकार प्राकृतिक रबड़ पर 20 प्रतिशत आयात शुल्क हटाए। साथ ही रबड़ के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध लगाए। प्रमुख कंपनी अपोलो टायर ने अपने सभी तरह के टायरों में एक बार फिर 3.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने रबड़ की कीमतों में तेजी का हवाला देते हुए इसी माह दाम 3.5 फीसदी बढ़ाए थे।

* अपोलो टायर अगले माह फिर से बढ़ाएगी कीमतें